



Vishal kumar shukla

25 Oct 1988

03:25 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121336503

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 24-25/10/1988
दिन _____: सोम-मंगलवार
जन्म समय _____: 03:25:00 घंटे
इष्ट _____: 52:59:31 घटी
स्थान _____: Kanpur
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 03:16:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:15:50 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:30:19 घंटे
सूर्योदय _____: 06:13:11 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:32:28 घंटे
दिनमान _____: 11:19:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 08:00:25 तुला
लग्न के अंश _____: 29:38:55 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: वज्र
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: सिंह
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

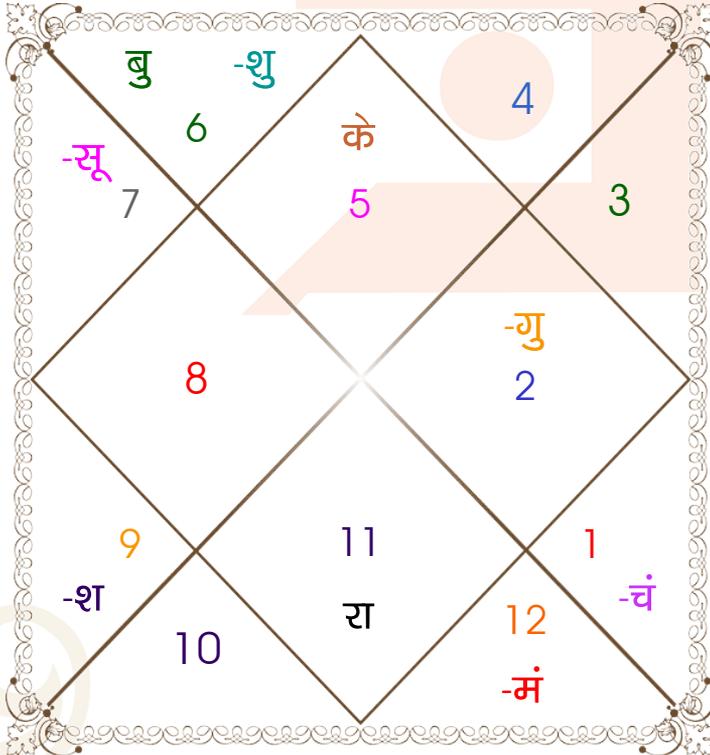
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:38:55	323:17:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			तुला	08:00:25	00:59:47	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			मेष	04:10:03	14:49:25	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		मीन	06:14:54	00:02:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
बुध			कन्या	19:50:44	00:46:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
गुरु	व		वृष	10:55:24	00:05:44	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	00:13:43	01:11:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	नीच राशि
शनि			धनु	04:36:59	00:04:53	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:24:57	00:06:05	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:24:57	00:06:05	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	04:21:38	00:02:22	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
नेप			धनु	14:04:24	00:01:10	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	18:22:21	00:02:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	29:29:06	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

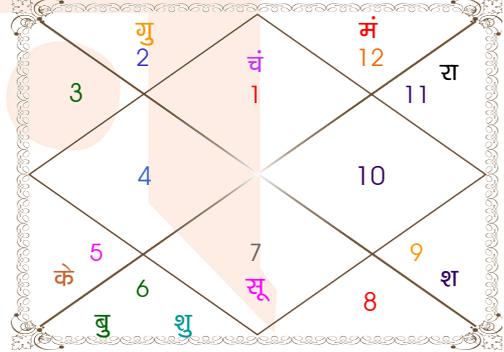
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:07

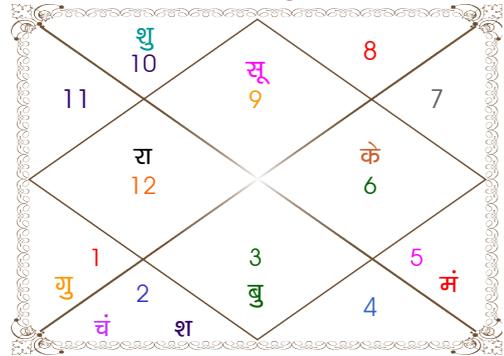
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 9 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
25/10/1988	17/08/1993	17/08/2013	18/08/2019	17/08/2029
17/08/1993	17/08/2013	18/08/2019	17/08/2029	17/08/2036
00/00/0000	शुक्र 17/12/1996	सूर्य 05/12/2013	चंद्र 17/06/2020	मंगल 13/01/2030
00/00/0000	सूर्य 17/12/1997	चंद्र 05/06/2014	मंगल 16/01/2021	राहु 01/02/2031
25/10/1988	चंद्र 18/08/1999	मंगल 11/10/2014	राहु 18/07/2022	गुरु 08/01/2032
चंद्र 19/02/1989	मंगल 17/10/2000	राहु 05/09/2015	गुरु 17/11/2023	शनि 16/02/2033
मंगल 18/07/1989	राहु 18/10/2003	गुरु 23/06/2016	शनि 17/06/2025	बुध 13/02/2034
राहु 05/08/1990	गुरु 18/06/2006	शनि 05/06/2017	बुध 17/11/2026	केतु 12/07/2034
गुरु 12/07/1991	शनि 17/08/2009	बुध 12/04/2018	केतु 18/06/2027	शुक्र 11/09/2035
शनि 20/08/1992	बुध 17/06/2012	केतु 17/08/2018	शुक्र 16/02/2029	सूर्य 17/01/2036
बुध 17/08/1993	केतु 17/08/2013	शुक्र 18/08/2019	सूर्य 17/08/2029	चंद्र 17/08/2036

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
17/08/2036	17/08/2054	17/08/2070	17/08/2089	18/08/2106
17/08/2054	17/08/2070	17/08/2089	18/08/2106	00/00/0000
राहु 30/04/2039	गुरु 05/10/2056	शनि 20/08/2073	बुध 14/01/2092	केतु 15/01/2107
गुरु 23/09/2041	शनि 18/04/2059	बुध 29/04/2076	केतु 10/01/2093	शुक्र 16/03/2108
शनि 30/07/2044	बुध 24/07/2061	केतु 08/06/2077	शुक्र 11/11/2095	सूर्य 22/07/2108
बुध 16/02/2047	केतु 30/06/2062	शुक्र 08/08/2080	सूर्य 16/09/2096	चंद्र 26/10/2108
केतु 06/03/2048	शुक्र 28/02/2065	सूर्य 21/07/2081	चंद्र 16/02/2098	00/00/0000
शुक्र 06/03/2051	सूर्य 17/12/2065	चंद्र 19/02/2083	मंगल 13/02/2099	00/00/0000
सूर्य 29/01/2052	चंद्र 18/04/2067	मंगल 30/03/2084	राहु 02/09/2101	00/00/0000
चंद्र 30/07/2053	मंगल 24/03/2068	राहु 04/02/2087	गुरु 09/12/2103	00/00/0000
मंगल 17/08/2054	राहु 17/08/2070	गुरु 17/08/2089	शनि 18/08/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 9 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रुचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं हैं बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।